



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (H)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 134]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 10, 1999/फाल्गुन 19, 1920

No. 134]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 10, 1999/PHALGUNA 19, 1920

## वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूँजी बाजार प्रभाग)

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1999

का. आ. 164(अ).—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतदद्वारा उक्त धारा के प्रयोजन के लिए प्रतिभूति के रूप में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, मुम्बई जो भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 3 के तहत स्थापित निगम है, द्वारा जारी किए जाने वाले पन्द्रह सौ करोड़ रुपए से अनधिक के कुल मूल्य के अप्रतिभूत भोग्नाय बांड—आई. डी. बी. आई. फ्लैक्सीबांड-6 प्राधिकृत करती है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:—

- (i) रेगुलर इन्कम बांड
- (ii) ग्रोइंग इंटरेस्ट बांड
- (iii) सेवानिवृत्ति बांड
- (iv) आधार ढांचा (कर बचत) बांड

[फा. सं. 6/4/सी. एम./99]

जितेश खोसला, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## CAPITAL MARKET DIVISION

## NOTIFICATION

New Delhi, the 10th March, 1999

S.O. 164 (E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the IDBI flexibond-6 comprising :—

1. Regular Income Bond;
2. Growing Interest Bond;
3. Retirement Bond;
4. Infrastructure (Tax Saving) Bond;

being unsecured redeemable bonds of the aggregate value not exceeding rupees one thousand five hundred crores only to be issued by the Industrial Development Bank of India, Mumbai, a corporation established under section 3 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), as securities for the purpose of the said section.

[F. No. 6/4/CM/99]

JITESH KHOSLA, Jt. Secy.

